

MTL-13

MJCR/1090/2017
CNRMP66010014232017

श्री मान् जिला एवं सत्र न्यायधिस महोदय, वैठन जिला सिंगरौली(म०प्र०)



नीरज गुप्ता पिता मुन्नी लाल गुप्ता उम्र 31 वर्ष पेशा बेरोजगारी निवासी ग्राम बरगवाँ, पो० डगा बरगवाँ, थाना बरगवाँ जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश

आवेदक

बनाम

- (1). अजिम प्रेम पिता मो० हसेम प्रेम जी मुख्य प्रबन्धक विप्रो कम्पनी इंडिया लिमिटेड विजनेसऑफिस प्लॉट नं० 8, ब्लॉक डी० एम०, सेक्टर 5 साल्ट लेग सिटी कोलकत्ता 700091
- (2). सुरेश महतो पिता तालो महतो पता चागों, थाना बिरनी, जिला गिरिडीह झारखण्ड मो० नं० 09716218796
- (3). आलोक कुमार सांडिल्या पिता नामालुम, एक्सीस बैंक एकाउन्ट नं० 911010036113712 ब्रांच सिटी सेन्टर धनवाद झारखण्ड, निवासी जिला धनवाद झारखण्ड एच०आर० विप्रो कम्पनी इंडिया लिमिटेड कलकत्ता प्लॉट नं० 8, ब्लॉक डी० एम०, सेक्टर 5 साल्ट लेग सिटी कोलकत्ता 700091 मो० नं० 08961596670
- (4). मृदुल घोष पिता नामालुम, आई०सी०आई०सी०आई० बैंक एकाउन्ट नम्बर 082401500489 पता रमाकान्त मिस्त्री, मेन ग्राउण्ड लोर मुर्चीपरा स्कॉयर बिल्डींग कोलकत्ता
- (5). सौरभ आचार्या पदस्थ विप्रो कम्पनी इंडिया के कम्पलेन अटेन्डर मो० नम्बर 09051923234

आरोपी / प्रत्यर्थी गण

Am
5/5/17

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 408 एवं
409 सी०आर०पी०सी०

न्यायालय श्री मान् अपर जिला एवं सत्र
न्यायाधीश महोदय देवसर माननीय जी०एस०
नेताम के न्यायालय में निगरानी प्रकरण क्र०
500088/16 के अंतरण बावत्

मान्यवर

सबिनय नम्र निवेदन हैं कि उक्त निगरानी प्रकरण माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवसर के न्यायालय में बिचाराधिन है, मुझ परिवादी द्वारा प्रकरण निगरानी में दायर किया गया था जिसमे अधिनस्त न्यायालय द्वारा मामला क्र० 621/16 में 2 आरोपी, सुरेश महतो और अलोक कुमार संधिल्या के खिलाफ धारा 120-बी०, 420, 465, 34- आई०पी०सी० के तहत दिनांक 05/05/2016 को मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और शेष प्रत्यर्थी गण अजीम प्रेम जी, मृदुल घोष और सौरभ आचार्या के विरुद्ध मुकदमा पंजीबद्ध नहीं किया गया है, जिनके विरुद्ध मेरे द्वारा निगरानी में प्रस्तुत कि गई है, यहाँ से प्रत्यर्थी गण के विरुद्ध दिनांक 08/08/16 को माननीय अपर जिला न्यायालय देवसर द्वारा न्यायालय में पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है, किन्तु प्रत्यर्थी गण द्वारा माननीय न्यायालय में हाजिर नहीं हुए हैं, प्रत्यर्थी गण के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा आज दिनांक 08/08/16, 15/09/16, 05/10/16, 24/10/16, 15/11/16, 15/12/16, 02/01/17, 03/03/17, 31/03/17, 31/03/16, 13/04/17, तक कोई भी सुनवाई नहीं किया गया है, और न तो न्यायालय में उक्त निगरानी पंजीकृत किया गया है, न तो प्रत्यर्थी गण उपस्थिति नहीं हुए हैं, किन्तु न्यायाधीश जी०एस० नेताम महोदय द्वारा उक्त प्रकरण में प्रत्यर्थी अजीम प्रेम जी के अधिवक्ता दिलीप द्विवेदी को मात्र अधिवक्ता मेमोरेण्डम पेश कर अधिवक्ता द्वारा नकल मांग ली गयी, जिस पर न्यायाधीश जी०एस० नेताम द्वारा नकल दि जा रही है, जिस पर मुझ निगरानीकर्ता

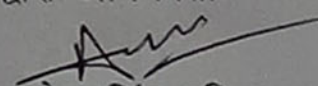
को विधिक सेवा से सहायता प्राप्त अधिवक्ता ब्रिजेश चतुर्वेदी द्वारा दिनांक 02/05/17 को माननीय अपर न्यायालय में आपति दर्ज किया गया, किन्तु प्रत्यर्थी अजीम प्रेम जी के अधिवक्ता दिलीप द्विवेदी द्वारा माननीय अपर जिला न्यायालय में तर्क के लिए भी उपस्थित नहीं हुआ गया, जिस पर माननीय न्यायाधीश जी०एस० नेताम महोदय द्वारा मुझ निगरानीकर्ता को कहा गया कि मुझ निगरानीकर्ता द्वारा प्रत्यर्थी अजीम प्रेम जी के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया जिस पर प्रत्यर्थी अजीम प्रेम जी द्वारा धारा 193 के तहत मुझ निगरानीकर्ता के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय में मुकदमा दर्ज किया जायेगा, जिससे मुझ निगरानीकर्ता को संशय है कि न्यायाधीश प्रत्यर्थी अजीम प्रेम जी जो कि देश के 3 सबसे बड़े उद्योगपति है, के हाथों बिक गए है अतः उक्त मामले की सुनवाई माननीय न्यायालय द्वारा किया जाना न्यायोचित होगा ।

अतः आवेदन पत्र पेश कर विनम्र अनुरोध है कि प्रार्थी / आवेदक का आवेदन पत्र स्वीकार करते हुए न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश महोदय देवसर का निगरानी प्रकरण क्र० 500088/16 को अंतरण करते हुए स्वयं प्रकरण कि सुनवाई किये जाने कि कृपा की जाये

दिनांक - 05-05-17

स्थान ब० ६२

द्वारा अधिवक्ता


ए०के० सिंह परिहार
एड०

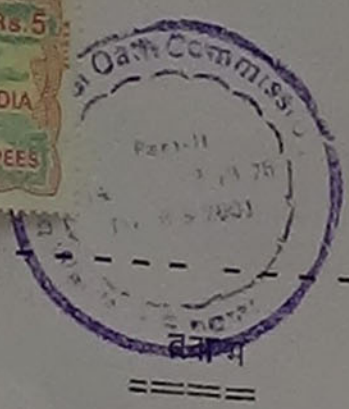
N.K. Gupta

निगरानीकर्ता / परिवादी

निरज गुप्ता पिता मुन्नी लाल गुप्ता
नि०/ग्रा० बरगवाँ थाना बरगवाँ
जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश

S. R. 2426/17
Date: 03/05/2017 Place: Warangal

न्यायालय:- श्रीमान् जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय केन, जिला- सिंगरौली मप्र



नीरज गुप्ता --- निगरानीकर्ता

अजीम प्रेमजी वगैरे --- आरोपी/प्रत्यर्था

परिवाद पत्र अन्तर्गत धारा 204, 311, 419, 420, 467, 468, 34 आई.पी.सी.

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 408/409 सी.आर.पी.सी.

शपथ पत्र :-

मैं कि:- निरज गुप्ता पिता श्री मुन्नीलाल गुप्ता उम्र 31 वर्ष, साठ बरगवां, फना-बरगवां, जिला-सिंगरौली मप्र का हूँ:-

01:- यह कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उपरोक्त उन्मानि निगरानी आज ही माननीय न्यायालय मे प्रस्तुत किया जा रहा है।

02:- यह कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उपरोक्त उन्मानि निगरानी में वर्णित समस्त जानकारी मेरे निजी जानकारी मे सही व सत्य है। जितने सत्य कथन नहीं किया गया है ना हो सत्य कथन को छिपाया हो गया है।

N.K. Gupta
सत्यापन:-

हस्ताक्षर --- N.K. Gupta

DEPONENT मैं सत्यापित करता हूँ कि शपथ पत्र का पैराफ्रॉं 1 तथा 02 मे वर्णित समस्त जानकारी मेरे निजी जानकारी मे सही व सत्य है।

केन/अदिनांक 03.05.2017

हस्ताक्षर --- N.K. Gupta

Signature
Identified by

Niraj Gupta, MUMUKH
The signature has been identified by me
by SRO N.K. Jaiswal & Solanki
identified at Warangal
on 03/05/2017

B.R. Jaiswal
Oath Commissioner
Dist. Court Warangal